रेवा

९वीं

एक सरल अध्ययन

R-3

Based on Latest syllabus
and Guidelines by
NEP & CBSE

सप्तऋषि पब्लिकेशन
चंडीगढ़

SELECTED BOOK PREVIEW

REVA | Class 9 Hindi R3

A curated look inside the actual printed book

IN THIS PREVIEW

- Class IX Hindi poetry, prose and worked explanations
- Textbook-connected exercises and meaningful activities
- Listening, speaking, creative writing and assessment examples

ORIGINAL PDF PAGES INCLUDED

1, 3, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 15, 132, 164, 177, 220, 221

These are selected, non-consecutive pages. Original printed page numbers and book content have been preserved.

SEE THE BOOK AND REQUEST SCHOOL INFORMATION

Open book details

For Schools & Teachers

अनुक्रमांक

भाग -1

1. मेरी भी आभा है इसमें - नागार्जुन 5
2. कंजूस और सोना - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' 15
3. साङकेन - केदारनाथ अग्रवाल 29
4. बसंती हवा - केदारनाथ अग्रवाल 45
5. न्याय की कुर्सी - लीलावती भागवत 58
6. हमारे ये कलामंदिर - निर्माण समिति 77
7. चंद्रशेखर वेंकटरमन - विष्णु प्रभाकर 86
8. कबीर का दोहा – कबीरदास 103
9. टिकट-अलबम - सुंदरा रामस्वामी 118
10. हमारा आदित्य 132

भाग -2

- अध्याय–1 : सुनना एवं बोलना कौशल 146
- अध्याय - 2 : रचनात्मक लेखन 179
- अध्याय - 3 : रेवा-आधारित पठन एवं लेखन कौशल 222
- अध्याय – 4 : परियोजना कार्य 226

1

मेरी भी आभा है इसमें

कवि : नागार्जुन

कवि परिचय



नागार्जुन का जन्म **30 जून, 1911** को **बिहार के तरौनी गाँव** (वर्तमान मधुबनी ज़िला) में हुआ था। उनका वास्तविक नाम **वैद्यनाथ मिश्र** था। वे हिंदी और मैथिली के प्रसिद्ध कवि थे। मैथिली में वे '**यात्री**' और हिंदी में '**नागार्जुन**' नाम से लिखते थे। उनकी कविताओं में किसान, मजदूर और आम लोगों के जीवन का सरल और सच्चा चित्रण मिलता है। उन्होंने समाज की समस्याओं और प्रकृति का भी सुंदर वर्णन किया है। उनकी भाषा सरल, सहज और प्रभावशाली है, इसलिए उनकी रचनाएँ विद्यार्थियों और सामान्य पाठकों को आसानी से समझ में आती हैं। हिंदी साहित्य में उन्हें '**जनकवि**' के रूप में सम्मान प्राप्त है। उनका निधन **5 नवंबर, 1998** को हुआ।

1. मूल पाठ

नए गगन में नया सूर्य जो चमक रहा है।
यह विशाल भूखंड आज जो दमक रहा है।
मेरी भी आभा है इसमें।

कठिन शब्दार्थ :

गगन—आकाश; **सूर्य**—सूरज; **विशाल**—बहुत बड़ा, विस्तृत; **भूखंड**—धरती, देश; **दमक रहा है**—चमक रहा है, शोभायमान हो रहा है; **आभा**—तेज, चमक, गौरव, योगदान।

प्रसंग

प्रस्तुत पंक्तियाँ जनकवि **नागार्जुन** द्वारा रचित कविता **"मेरी भी आभा है इसमें"** से ली गई हैं। इन पंक्तियों में कवि स्वतंत्र भारत के उज्ज्वल भविष्य और उसके निरंतर विकास का चित्र प्रस्तुत करते हैं। वे यह बताना चाहते हैं कि देश की प्रगति किसी एक व्यक्ति का परिणाम नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक, विशेषकर मेहनतकश किसानों, श्रमिकों और कर्मशील लोगों का समान योगदान है।

सरल व्याख्या

इन पंक्तियों में कवि नए भारत की आशा, प्रगति और उज्ज्वल भविष्य का चित्र खींचते हैं। **"नया गगन"** और **"नया सूर्य"** एक ऐसे युग के प्रतीक हैं, जिसमें नई सोच, नई ऊर्जा और नए अवसरों का उदय हुआ है। देश निरंतर उन्नति कर रहा है और उसकी कीर्ति चारों ओर फैल रही है।

कवि जब कहते हैं—**"यह विशाल भूखंड आज जो दमक रहा है"**, तो उनका आशय केवल धरती की प्राकृतिक सुंदरता से नहीं है, बल्कि पूरे राष्ट्र की उन्नति, समृद्धि और विकास से है। आज भारत विज्ञान, कृषि, उद्योग, शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और उसका गौरव बढ़ रहा है।

अंतिम पंक्ति **"मेरी भी आभा है इसमें"** इस स्तम्भ का सबसे महत्त्वपूर्ण भाव है। यहाँ कवि यह नहीं कहते कि केवल उन्हीं का योगदान है, बल्कि वे उन सभी साधारण लोगों की ओर से बोलते हैं जो अपने परिश्रम, ईमानदारी और समर्पण से राष्ट्र-निर्माण में भाग लेते हैं।

2. मूल पाठ



भीनी-भीनी खुशबू वाले
रंग-बिरंगे
यह जो इतने फूल खिले हैं।
कल इनको मेरे प्राणों ने नहलाया था,
कल इनको मेरे सपनों ने सहलाया था।
मेरी भी आभा है इसमें।

कठिन शब्दार्थः

भीनी-भीनी—हल्की, मनभावन सुगंध वाली; **सपनों**—आशाएँ, आकांक्षाएँ; **नहलाया**—सींचा, प्रेमपूर्वक सँवारा (भावार्थ); **सहलाया**—स्नेहपूर्वक स्पर्श किया, प्रेम से सँवारा; **आभा**—तेज, गौरव, योगदान।

प्रसंग

प्रस्तुत पंक्तियाँ जनकवि **नागार्जुन** द्वारा रचित कविता **"मेरी भी आभा है इसमें"** से ली गई हैं। इन पंक्तियों में कवि प्रकृति की सुंदरता और जीवन की समृद्धि के पीछे छिपे मानव-श्रम, प्रेम और समर्पण का चित्र प्रस्तुत करते हैं।

सरल व्याख्या

इन पंक्तियों में कवि खिले हुए सुगंधित और रंग-बिरंगे फूलों का अत्यंत सुंदर चित्र प्रस्तुत करते हैं। इन फूलों की मधुर सुगंध और आकर्षक रंग सभी को आनंदित करते हैं, परंतु कवि हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करते हैं कि इनकी सुंदरता अपने-आप नहीं आई है। इनके पीछे किसी का प्रेम, परिश्रम और निरंतर देखभाल छिपी हुई है।

कवि कहते हैं कि इन फूलों को खिलाने में उन्होंने भी अपना जीवन, श्रम और स्नेह लगाया है। **"मेरे प्राणों ने नहलाया था"** का आशय यह है कि उन्होंने पूरे मन, लगन और आत्मीयता से इनकी सेवा की। इसी प्रकार **"मेरे सपनों ने सहलाया था"** का अर्थ है कि उन्होंने अपने उज्ज्वल सपनों, आशाओं और प्रेम से इन फूलों का पालन-पोषण किया।

यहाँ कवि केवल अपना नहीं, बल्कि उन सभी लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अपने श्रम, प्रेम और समर्पण से समाज को सुंदर और समृद्ध बनाते हैं।

3. मूल पाठ

पकी सुनहली फसलों से जो
अबकी यह खलिहान भर गया।

मेरी रग-रग के शोणित की बूँदें इसमें मुसकाती हैं।
नए गगन में नया सूर्य जो चमक रहा है,
यह विशाल भूखंड आज जो दमक रहा है,
मेरी भी आभा है इसमें।

कठिन शब्दार्थ:

खलिहान—वह स्थान जहाँ फसल एकत्र कर उसकी मड़ाई और भंडारण किया जाता है। **रग-रग**—शरीर का प्रत्येक अंग, **भूखंड**—देश, धरती

प्रसंग

प्रस्तुत पंक्तियाँ जनकवि **नागार्जुन** की कविता **"मेरी भी आभा है इसमें"** से ली गई हैं। इन पंक्तियों में कवि किसान और श्रमिक के कठिन परिश्रम, त्याग और समर्पण का अत्यंत मार्मिक चित्र प्रस्तुत करते हैं। इसलिए कवि गर्व के साथ कहते हैं कि राष्ट्र की इस समृद्धि और उज्ज्वलता में उनका भी योगदान है।

सरल व्याख्या

इन पंक्तियों में कवि सुनहरी और पकी हुई फसलों से भरे खलिहान का अत्यंत सजीव चित्र प्रस्तुत करते हैं। जब खेतों में फसल पककर तैयार होती है और खलिहान अनाज से भर जाते हैं, तब यह दृश्य समृद्धि, खुशहाली और किसान की सफलता का प्रतीक बन जाता है। किंतु कवि केवल इस बाहरी सौंदर्य को नहीं देखते, बल्कि उसके पीछे छिपे कठोर परिश्रम और संघर्ष को भी सामने लाते हैं।

कवि कहते हैं कि इन सुनहरी फसलों में उनकी **"रग-रग के शोणित की बूँदें"** मुस्करा रही हैं। यहाँ **"शोणित" (रक्त)** का अर्थ वास्तविक रक्त बहना नहीं है, बल्कि किसान और श्रमिक द्वारा किए गए अथक परिश्रम, त्याग, संघर्ष और जीवन-समर्पण से है।

इसके बाद कवि पुन: कहते हैं कि नया आकाश, नया सूर्य और चमकता हुआ विशाल देश इस बात का प्रतीक हैं कि भारत निरंतर प्रगति कर रहा है। इस विकास और समृद्धि में किसान का भी योगदान है।

1. सोचिए और लिखिए

i. कवि "मेरी भी आभा है इसमें" कहकर किस भावना को व्यक्त करना चाहता है ? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : कवि "मेरी भी आभा है इसमें" कहकर यह भावना व्यक्त करना चाहता है कि देश की उन्नति, समृद्धि और सुंदरता में उसका भी योगदान है। वह मानता है कि राष्ट्र का विकास केवल बड़े नेताओं या अधिकारियों के कारण नहीं होता, बल्कि किसानों, श्रमिकों और प्रत्येक कर्मशील नागरिक के परिश्रम से संभव होता है। इसलिए कवि अपने श्रम पर गर्व करते हुए सभी मेहनतकश लोगों के आत्मसम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना को व्यक्त करता है।

ii. कवि ने फसलों में अपने 'शोणित की बूँदें' मुस्काने की बात क्यों कही है ?

उत्तर : कवि ने फसलों में अपने 'शोणित की बूँदें' मुस्काने की बात इसलिए कही है क्योंकि इन फसलों को उगाने में उसने अथक परिश्रम, संघर्ष और समर्पण किया है। यहाँ 'शोणित' का अर्थ वास्तविक रक्त नहीं, बल्कि कठोर मेहनत और त्याग से है। जब फसलें पककर तैयार होती हैं, तो कवि को उनमें अपने श्रम का सफल परिणाम दिखाई देता है। इसलिए वह कहता है कि उसकी मेहनत मानो उन फसलों में मुस्करा रही है।

iii. कवि ने फसलों को सुनहली क्यों कहा है ?

उत्तर : कवि ने फसलों को 'सुनहली' इसलिए कहा है क्योंकि पकने के बाद धान, गेहूँ आदि की बालियाँ सोने के समान पीले रंग की दिखाई देती हैं। यह सुनहरा रंग समृद्धि, खुशहाली और अच्छी उपज का प्रतीक है। इन फसलों को देखकर किसान के परिश्रम की सफलता और राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि का भी आभास होता है।

iv. गगन और सूर्य को कवि ने नया क्यों कहा है ?

उत्तर : कवि ने गगन और सूर्य को 'नया' इसलिए कहा है क्योंकि वे नए युग, नई आशाओं, नई चेतना और प्रगतिशील भारत के प्रतीक हैं। स्वतंत्रता के बाद देश विकास और उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। इसलिए कवि को ऐसा लगता है मानो नया आकाश और नया सूर्य उदित हो गया हो। यह नवीनता राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य तथा प्रत्येक नागरिक के योगदान का प्रतीक है।

2. उलझे शब्द सुलझाएँ

i. कविता के शब्दों के अक्षर उलझ गए हैं, आइए मिलकर सुलझाते हैं—

उल्टा शब्द	सही शब्द	संकेत (अर्थ)	आपकी भाषा में
नगग		आसमान	_____
लि रखछन		फसल रखने की जगह	_____

उल्टा शब्द	सही शब्द	संकेत (अर्थ)	आपकी भाषा में
पा ठशा		चमक, दमक	_____
गंगो रा		शरीर का प्रत्येक अंग	_____
र विषा		बहुत बड़ा	_____

उत्तर

उल्टा शब्द	सही शब्द	संकेत (अर्थ)	आपकी भाषा में
नगग	**गगन**	आसमान	
लि रखछन	**खलिहान**	फसल रखने की जगह	
पा ठशा	**आभा**	चमक, दमक	
गंगो रा	**रग-रग**	शरीर का प्रत्येक अंग	
र विषा	**विशाल**	बहुत बड़ा	

भाषा की ओर

1. पर्यायवाची शब्द

'पर्याय' शब्द का अर्थ होता है 'समान'। प्रत्येक भाषा में समान अर्थ देने वाले अनेक शब्द होते हैं। इन्हीं समान अर्थ देने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द' अथवा 'समानार्थी शब्द' कहा जाता है; जैसे- 'पानी' शब्द के लिए हिंदी में 'जल', 'नीर', 'वारि' आदि पर्यायवाची शब्द हैं। किंतु ध्यान देने वाली बात यह है कि इनका प्रयोग 'संदर्भ' पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, "मैंने सूर्य को पानी चढ़ाया" वाक्य में 'पानी' शब्द का प्रयोग संदर्भ की दृष्टि से उचित नहीं है। इस वाक्य में हमें पानी' के स्थान पर 'जल' शब्द का प्रयोग करना होगा, तभी वाक्य उचित और सार्थक होगा। इस प्रकार सही वाक्य होगा-मैंने सूर्य को जल चढ़ाया।

i. आपकी मातृभाषा में पानी को क्या कहते हैं ? लिखिए।

उत्तर (पंजाबी): ਪਾਣੀ

ii. निम्नलिखित रिक्त स्थानों को दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्दों से भरिए-

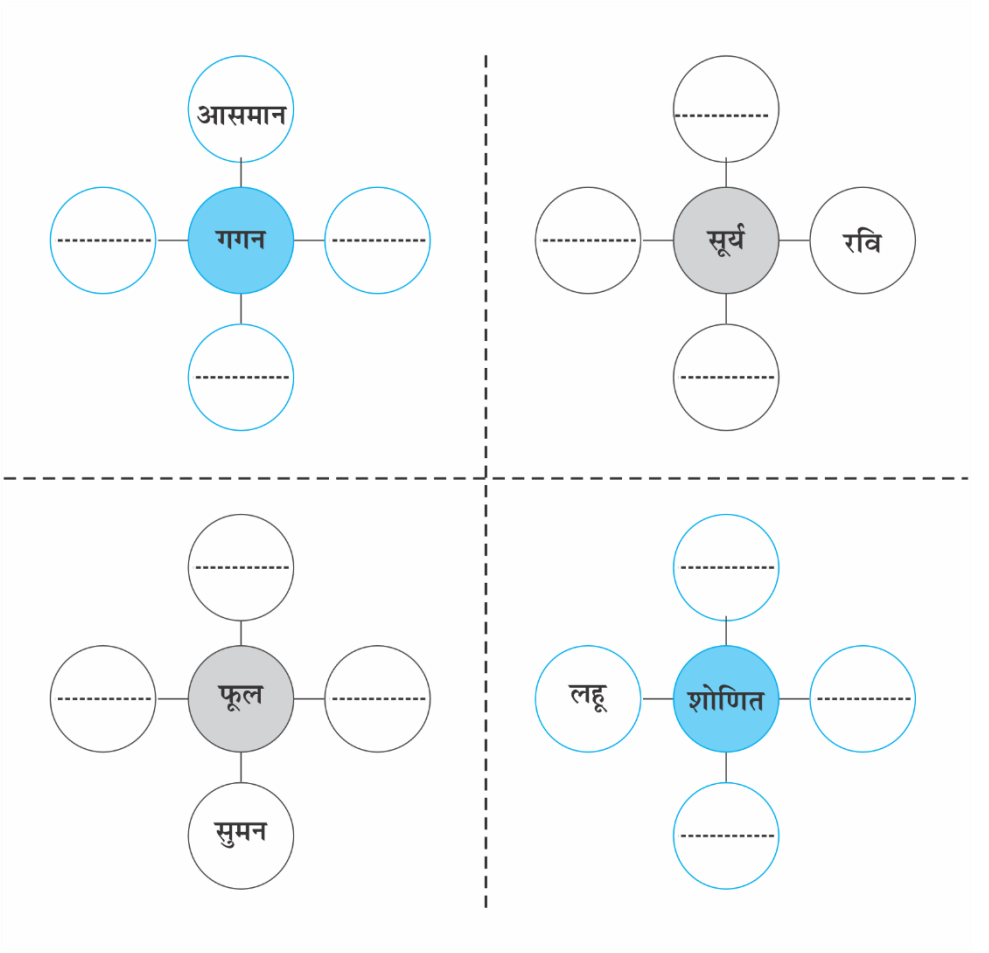

संदर्भ के लिए भरे गए शब्द:

- **गगन** ⟶ आसमान, **अम्बर**, **नभ**, **आकाश**
- **सूर्य** ⟶ रवि, **भानु**, **दिनकर**, **दिवाकर**
- **फूल** ⟶ सुमन, **पुष्प**, **कुसुम**, **प्रसून**
- **शोणित** ⟶ लहू, **रक्त**, **खून**, **रुधिर**

2. भाव समझो

आप कविता की पंक्तियों को उनके सही भाव से मिलाइए और बताइए कि कवि क्या कहना चाहता है।

कविता की पंक्ति	भाव
(i) मेरी भी आभा है इसमें।	नए युग, नई आशा और उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक।
(ii) नए गगन में नया सूर्य जो चमक रहा है।	देश की उन्नति में मेरा भी योगदान है।
(iii) कल इनको मेरे सपनों ने सहलाया था।	कठिन परिश्रम, त्याग और समर्पण का प्रतीक।
(iv) मेरी रग-रग के शोणित की बूँदें इसमें मुसकाती हैं।	मेहनत का सफल परिणाम और समृद्धि का प्रतीक।
(v) पकी सुनहली फसलों से जो अबकी यह खलिहान भर गया।	प्रेम, आशा और स्नेह से किए गए प्रयास।

सही मिलान

कविता की पंक्ति	सही भाव
(i) मेरी भी आभा है इसमें।	देश की उन्नति में मेरा भी योगदान है।
(ii) नए गगन में नया सूर्य जो चमक रहा है।	नए युग, नई आशा और उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक।
(iii) कल इनको मेरे सपनों ने सहलाया था।	प्रेम, आशा और स्नेह से किए गए प्रयास।
(iv) मेरी रग-रग के शोणित की बूँदें इसमें मुसकाती हैं।	कठिन परिश्रम, त्याग और समर्पण का प्रतीक।
(v) पकी सुनहली फसलों से जो अबकी यह खलिहान भर गया।	मेहनत का सफल परिणाम और समृद्धि का प्रतीक।

3. पाठ से आगे

i. क्या सच में फूलों को सपनों से सहलाया जा सकता है ? कक्षा में चर्चा कीजिए।

उत्तर : वास्तव में फूलों को सपनों से सहलाया नहीं जा सकता। यहाँ कवि ने **कल्पना** और **प्रतीकात्मक भाषा** का प्रयोग किया है। उनका आशय यह है कि किसी भी सुंदर कार्य या उपलब्धि के पीछे मनुष्य के सपने, प्रेम, आशाएँ और अथक परिश्रम छिपे होते हैं। जब कोई व्यक्ति पूरे मन

2

कंजूस और सोना

कवि : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

कवि का परिचय

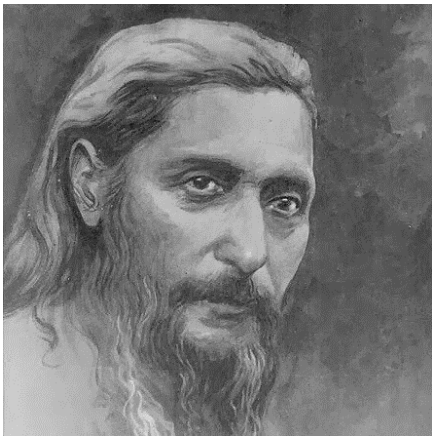

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का जन्म **21 फ़रवरी, 1896** को **महिषादल (ज़िला पूर्वी मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल)** में हुआ था। वे हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि, लेखक और निबंधकार थे। वे **छायावाद के चार प्रमुख कवियों** में से एक थे। उनकी रचनाओं में प्रकृति, मानवता, समाज, देशप्रेम और गरीब लोगों के जीवन का सुंदर चित्रण मिलता है। उनकी भाषा सरल, प्रभावशाली और भावपूर्ण है। उनकी प्रमुख रचनाओं में **'राम की शक्ति-पूजा'**, **'सरोज-स्मृति'**, **'वह तोड़ती पत्थर'** और **'जूही की कली'** शामिल हैं। उनका निधन **15 अक्तूबर, 1961** को हुआ।

मूल पाठ

एक आदमी था, जिसके पास काफी जमींदारी थी, मगर दुनिया की किसी दूसरी चीज़ से सोने की उसे अधिक चाह थी। इसलिए पास जितनी जमीन थी, कुल उसने बेच डाली और उसे कई सोने के टुकड़ों में बदला। सोने के इन टुकड़ों को गलाकर उसने बड़ा गोला बनाया और उसे बड़ी हिफाजत से जमीन में गाड़ दिया। उस गोले की उसे जितनी परवाह थी, उतनी न बीवी की थी, न बच्चे की, न खुद अपनी जान की। हर सुबह वह उस गोले को देखने के लिए जाता था और यह मालूम करने के लिए कि किसी ने उसे हाथ तो नहीं लगाया! वह देर तक नज़र गड़ाए उसे देखा करता था।

10

हमारा आदित्य

(कक्षा में अध्यापक का आगमन और सभी विद्यार्थियों द्वारा अभिवादन)

सभी विद्यार्थी : सुप्रभात अध्यापक जी !

अध्यापक : सुप्रभात बच्चो! सूर्य को तो आप प्रतिदिन देखते होंगे पर क्या आपको पता है कि सूर्य तक पहुँचना कितना कठिन है? तो आज हम कक्षा में सूरज के बारे में कुछ अलग तरह की बातचीत करेंगे।

वाणी : अध्यापक जी! मैंने सुना है कि सूर्य सात घोड़ों के रथ पर आकाश में यात्रा करने वाला एक राजा है।

गौरव : हाँ, मैंने भी कुछ ऐसा ही सुना है

राहुल : नहीं, सूर्य तो आग का एक गोला है !

सुमन : अध्यापक जी! सूरज एक ग्रह है।

रवि : नहीं, यह तो एक तारा है।

अध्यापक : उत्तम ! सूर्य एक तारा है। यह बहुत अधिक गरम भी है, इसलिए इसे लोग आग का गोला भी कहते हैं।

सभी विद्यार्थी : (आश्चर्य से) जी अध्यापक जी, यह बहुत गरम होगा!

ज्योति : सूरज पृथ्वी से बहुत दूर है, फिर भी कितनी गरमी देता है!

भास्कर : मुझे गरमी के मौसम में सूर्य बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता।

सुमन : मुझे भी। पर सर्दियों में तो धूप से उठने का मन ही नहीं करता। मेरी नानी तो पूरे दिन धूप में रहती हैं। उन्हें बहुत सर्दी लगती है न, इसलिए !

अध्यापक : सूर्य इतना गरम क्यों है? क्या आप सबने कभी यह सोचा है?

दिनेश : सूर्य पर हमेशा आग जलती रहती है, इसलिए।

रवि : अगर ऐसा है तो वहाँ आग किसने जलाई होगी?

धरा : आप दोनों ठीक नहीं सोच रहे हैं। सूर्य पर गरमी आग के जलने से नहीं होती बल्कि सूर्य ऐसी गैसों से बना है जो बहुत गरम होती हैं। मुझे मेरी मौसी ने एक बार बताया था।

अभ्यास

अभ्यास–1

विषय : सोशल मीडिया विद्यार्थियों को जागरूक बना रहा है या भ्रमित ?

निर्देश : *कक्षा को दो पक्षों में बाँटिए। एक पक्ष बताए कि सोशल मीडिया से समाचार, शिक्षा और सामान्य ज्ञान की जानकारी शीघ्र मिलती है। दूसरा पक्ष गलत सूचनाओं, समय की बर्बादी और मानसिक दबाव से जुड़े तर्क प्रस्तुत करे। प्रत्येक पक्ष के कम-से-कम तीन विद्यार्थी बोलें। अंत में संचालक संतुलित निष्कर्ष प्रस्तुत करे।*

अभ्यास–2

विषय : ऑनलाइन शिक्षा विद्यालयी शिक्षा का पूर्ण विकल्प बन सकती है।

निर्देश : *एक पक्ष ऑनलाइन शिक्षा के लाभों, जैसे घर से पढ़ाई, डिजिटल सामग्री और समय की सुविधा पर तर्क दे। दूसरा पक्ष कक्षा-अनुभव, शिक्षक से प्रत्यक्ष संवाद, अनुशासन और सामाजिक विकास के महत्व पर विचार रखे। दोनों पक्ष उदाहरणों सहित अपने तर्क प्रस्तुत करें।*

अभ्यास–3

विषय : अंतरिक्ष अनुसंधान पर अधिक धन खर्च करना उचित है।

निर्देश : *पक्ष के विद्यार्थी अंतरिक्ष विज्ञान, संचार, मौसम पूर्वानुमान और राष्ट्रीय प्रगति से जुड़े लाभ बताएँ। विपक्ष के विद्यार्थी शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी और बुनियादी सुविधाओं पर अधिक खर्च की आवश्यकता के पक्ष में तर्क दें। अंत में यह बताया जाए कि दोनों क्षेत्रों में संतुलन कैसे बनाया जा सकता है।*

अभ्यास–4

विषय : परीक्षा में अंकों से अधिक कौशल को महत्व दिया जाना चाहिए।

निर्देश : *एक पक्ष तर्क दे कि अंक विद्यार्थियों के ज्ञान का माप प्रस्तुत करते हैं। दूसरा पक्ष रचनात्मकता, व्यावहारिक क्षमता, संचार-कौशल और समस्या-समाधान की योग्यता को अधिक महत्वपूर्ण बताए। प्रत्येक विद्यार्थी अपने विचार के समर्थन में एक उदाहरण दे।*

अभ्यास–5

विषय : घर पर मोबाइल और इंटरनेट का नियंत्रित उपयोग विद्यार्थियों के लिए लाभदायक है।

निर्देश : *पक्ष के विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन, शब्दकोश, शैक्षिक वीडियो और जानकारी प्राप्त करने के लाभ बताएँ। विपक्ष के विद्यार्थी खेल, सोशल मीडिया, गलत सामग्री और ध्यान भटकने के खतरों पर चर्चा करें। अंत में उपयोग के लिए चार उचित नियम तैयार किए जाएँ।*

अभ्यास–6

विषय : रेवा के किसी पाठ का नया अंत

निर्देश: *रेवा के किसी गद्य या कविता का चयन कीजिए। कल्पना कीजिए कि उसके अंत के बाद कहानी आगे बढ़ती है। मूल संदेश को बनाए रखते हुए उसका नया और सार्थक विस्तार सुनाइए।*

गतिविधि–12 : समाचार वाचन
(News Reading & News Presentation)

परिचय

समाचार वाचन केवल समाचार पढ़ना नहीं है, बल्कि सही उच्चारण, स्पष्ट अभिव्यक्ति, निष्पक्ष भाषा तथा प्रभावशाली प्रस्तुति के साथ श्रोताओं तक तथ्य पहुँचाने की कला है। एक अच्छा समाचार वाचक बिना किसी व्यक्तिगत टिप्पणी के केवल प्रमाणित तथ्यों को स्पष्ट और क्रमबद्ध ढंग से प्रस्तुत करता है।

ध्यान रखें

- समाचार तथ्यपरक हो।
- स्पष्ट एवं शुद्ध उच्चारण करें।
- व्यक्तिगत राय या टिप्पणी न जोड़ें।
- भाषा सरल और औपचारिक हो।
- समाचार पढ़ते समय उचित गति बनाए रखें।

उदाहरण–1

विषय : विद्यालय विज्ञान मेले का समाचार

नमस्कार।

प्रस्तुत हैं आज के प्रमुख विद्यालय समाचार।

आज हमारे विद्यालय में विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों ने विज्ञान के अनेक उपयोगी मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रधानाचार्य महोदय ने किया।

निर्णायक मंडल ने ऊर्जा संरक्षण, जल शुद्धिकरण तथा कृषि नवाचार से जुड़े मॉडलों की विशेष सराहना की। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

इसी के साथ विद्यालय समाचार समाप्त होते हैं।

धन्यवाद।

भाग 1 — श्रवण एवं मौखिक अभिव्यक्ति कौशल —40 अंक

अध्यापक एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश

- 10 गतिविधियों में से विद्यार्थी की रुचि और उपलब्ध अवसरों के अनुसार किन्हीं 8 गतिविधियों का मूल्यांकन करें।
- प्रत्येक गतिविधि 5 अंक की होगी। विद्यार्थी लिखित उत्तर देने के स्थान पर सुनकर, बोलकर, संवाद करके अथवा प्रस्तुति देकर उत्तर देगा।

भाग 2 — रचनात्मक लेखन कौशल —15 अंक

निर्देश

- सभी चार प्रश्न कीजिए। जहाँ आंतरिक विकल्प दिया गया है, केवल एक विकल्प चुनिए।
- निर्धारित शब्दसीमा का पालन कीजिए।-
- उत्तर मौलिक, प्रासंगिक, सुव्यवस्थित और भाषा की दृष्टि से शुद्ध होना चाहिए।

प्रश्न 1 : अनौपचारिक निमंत्रण अथवा संदेश-लेखन **(3 अंक)**

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए—

(क). आपके विद्यालय में 'एक सप्ताह—एक पुस्तक' अभियान का उद्घाटन होने जा रहा है। अपने मित्र को इसमें भाग लेने के लिए अनौपचारिक निमंत्रण लिखिए।

(ख). आपकी बड़ी बहन घर पर नहीं हैं। उनकी हिंदी शिक्षिका ने फ़ोन करके बताया कि कल रेवा के किसी पाठ की दो मिनट की पुस्तक-समीक्षा प्रस्तुत करनी है। उनके लिए संदेश लिखिए।

मूल्यांकन-बिंदु: विषय-वस्तु—1; मौलिकता—1; संगठनात्मकता—1।

प्रश्न 2 : चित्र-वर्णन **(3 अंक)**

निम्नलिखित चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर लगभग 30–40 शब्दों में वर्णन कीजिए। चित्र का मुख्य दृश्य, लोगों की गतिविधियाँ, वातावरण और संदेश अवश्य लिखिए।



मूल्यांकन-बिंदु: विषय-वस्तु—1; मौलिकता—1; संगठनात्मकता—1।

प्रश्न 3 : सामान्य कहानी-लेखन **(5 अंक)**

निम्नलिखित संकेत-बिंदुओं के आधार पर 100 शब्दों तक एक मौलिक कहानी लिखिए। उपयुक्त शीर्षक और संदेश भी दीजिए।

विद्यालय का संदेश-समूह - परीक्षा स्थगित होने की अपुष्ट सूचना , कई विद्यार्थी संदेश आगे भेजने लगे, एक विद्यार्थी ने विद्यालय की आधिकारिक सूचना जाँची, सही जानकारी साझा की, जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार की सीख

मूल्यांकन-बिंदु: विषय-वस्तु—2; संगठनात्मकता—1; रचनात्मक विचार—2।

प्रश्न 4 : दैनिक जीवन से संबंधित संवाद **(4 अंक)**

निम्नलिखित में से किसी एक परिस्थिति पर उचित भावों का प्रयोग करते हुए 80 शब्दों तक संवाद लिखिए—

(क). दो मित्र चर्चा कर रहे हैं कि गृहकार्य के लिए AI से सीधा उत्तर लेने के बजाय पुस्तक, कक्षा-नोट्स और विश्वसनीय स्रोतों का उपयोग क्यों आवश्यक है।

(ख). एक विद्यार्थी और पुस्तकालयाध्यक्ष के बीच नई समाचार-पत्र अध्ययन-मंडली की सदस्यता लेने के संबंध में संवाद।

मूल्यांकन-बिंदु: प्रासंगिकता—2; भाषा की उपयुक्तता—1; संगठनात्मकता—1।